done only one last week. And, we are taking up this one. Then, you can always mention this in the meeting. You were there in the morning meeting.

SHRI B.J. PANDA: But, Sir, time was available.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Where is the time? ...*(Interruptions)*.. But, are you going to get the time here? The better thing is to discuss it with the Chairman. Yes, Mr. Datta Meghe.

SPECIAL MENTIONS

Concern over surplus yield of cotton and the consequent bearing on its pricing

श्री दत्ता मेघे (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदय, मैं सरकार का ध्यान इस विशेष उल्लेख के द्वारा इस वर्ष कपास की भरपूर उपज होने की तरफ दिलाना चाहता हूं। एक अनुमान के अनुसार पैदावार में यह इजाफा कपास के जीन संवर्धित बीजों के इस्तेमाल के कारण हुआ है। हमारे देश के किसान अब काफी जागरूक हो चुके हैं। वे जीन संवर्धित बीजों का इस्तेमाल करने लगे हैं। कपास की पैदावार के अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारतीय कपास पर कई देशों की निगाहें टिकी हुई हैं, क्योंकि कपास उत्पादक कई देशों में इसकी पैदावार घटने के संकेत मिले हैं। कपास का सबसे अधिक उत्पादक देश अमेरिका में कपास की पैदावार में 10 प्रतिशत की कमी होने की आशंका है। चीन में भी इसके उत्पादन में कमी की आशंका जताई गई है।

ऐसी स्थिति में मेरा सरकार से यह निवेदन है कि वर्तमान स्थिति में भारतीय कपास की विदेशों में मांग बढ़ेगी और किसानों को उनके उत्पादन का उचित मूल्य मिलने की संभावना भी है। लेकिन इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है कि कपास के भाव गिरने न पायें। इस ओर सरकार को सतत निगरानी रखनी चाहिए ताकि किसान को उसके उत्पादन का उचित मूल्य मिलता रहे । एक आशंका यह भी व्यक्त की जा रही है कि डालर के मुकाबले रुपये का मूल्य बढ़ने के कारण निर्यातकों का फायदा कम हो जायेगा। किसान को उसके उत्पादन का उचित मूल्य मिले, इस पर निगरानी रखकर सरकार को विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shri B.S. Gnanadesikan—not present.

Request for removal of anomalies in admission of those students who pass in the supplementary examinations of University of Homoeopathy

सुश्री अनुसुइया उइके (मध्य प्रदेश) : उपसभापति महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख के माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं कि देश में कार्यरत होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली की परीक्षा व्यवस्था है। इस व्यवस्था में सप्लीमेंट्री परीक्षा का भी प्रावधान है। सप्लीमेंट्री आने वाले विद्यार्थियों की सप्लीमेंट्री परीक्षा भी तत्काल समय पर ली जाती है, किन्तु सप्लीमेंट्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को अगले सेमेस्टर में छह माह विलम्ब से प्रवेश दिया जाता है।

ऐसी स्थिति में छात्रों के कीमती छह माह का समय व्यर्थ होता है, छात्र पिछड़ जाते हैं, जिससे पालकों पर भी अतिरिक्त व्यय भार आता है। कई बार ऐसी परिस्थिति में गरीब परिवार के बच्चों को आर्थिक कठिनाइयों के कारण अपनी पढ़ाई तक छोड़नी पड़ती है। उसका भविष्य अधर में लटक जाता है। कुछ होम्योपैथिक कालेज प्रबंधन का कथन है कि उनके यहां पर ए०टी०के०टी० का नियम लागू नहीं होता है तथा उक्त व्यवस्था का निर्णय शासन का है।

अतएवं मैं उक्त परिस्थितियों में छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए इस विशेष उल्लेख के माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए अनुरोध करना चाहती हूं कि यदि होम्योपैथिक कालेजों में अध्ययनरत छात्रों की सप्लीमेंट्री आती है और यदि कोई छात्र सप्लीमेंट्री परीक्षा पास कर लेता है, तो उसे अगले सेमेस्टर में तुरन्त प्रवेश दिया जाये। छह माह विलम्ब से प्रवेश के नियम को समाप्त किया जाये ताकि छात्रों का छह माह का समय बर्बाद न हो तथा पालकों को भी शिक्षा पर आने वाले अतिरिक्त व्यय भार से मुक्ति मिले।